Patrika (Indore), 06th June 2023, Page – Front Page 01

आइआइटी 14वीं, एनएलआइयू 18वीं तो आइसर 60वें स्थान पर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर/भोपाल. एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रदेश से आइआइएम इंदौर टॉप-10 में शामिल हो सका। हालांकि रैंक एक पायदान खिसकी। मैनेजमेंट संस्थानों में आइआइएम 8वें स्थान पर रहा। 2019 में आइआइएम 5वें स्थान पर था। नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी भोपाल 18वें स्थान पर है। आइआइटी इंदौर 16वें स्थान से 14वें स्थान पर काबिज हुआ। मेडिकल सूची में एम्स भोपाल को 38वां और इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइसर) को 60वां स्थान मिला। पिछले साल यह 61वें स्थान पर था। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) भोपाल की इंजीनियरिंग में रैंक 70 से गिरकर 80 पहुंच गई है। यह रैंक आर्किटेक्चर में 24 है, यह भी चार स्थान नीचे गिरी है। पिछले साल यह 20 पर थी। एनआइआरएफ की 2016 में जारी पहली रैंकिंग में प्रदेश की दो यूनिवर्सिटी डॉ. हरिसिंह गौर सागर 39 और जेपी यूनिविर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी गुना की रैंकिंग 86 थीं। इसके बाद कोई भी यूनिवर्सिटी टॉप 100 में जगह नहीं बना पाई।

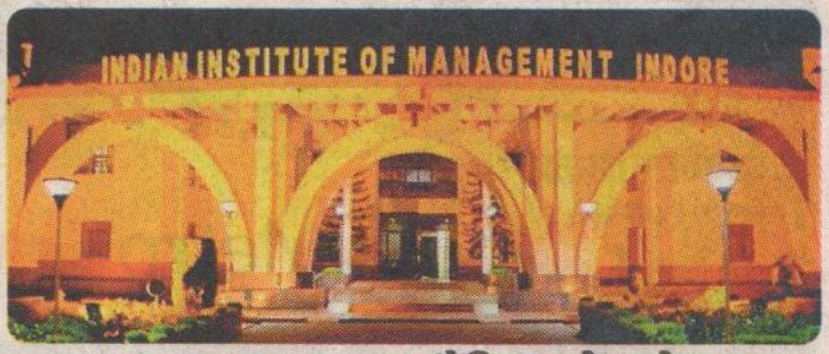

एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रदेश

	2023	2022		2023	2022
ओवरऑल			**इंजीनियरिंग**		
आइआइटी इंदौर	28	31	आइआइटी इंदौर	14	16
आइसर भोपाल	60	61	मैनिट भोपाल	80	70
रिसर्च इंस्टीट्यूट			**मैनेजमेंट**		
आइआइटी इंदौर	21	26	आइआइएम इंदौर	8	7
आइसर भोपाल	–	49	ट्रिपलआइटीएम ग्वालियर	68	64
मेडिकल			**लॉ**		
एम्स, भोपाल	38	–	एनएलआइयू भोपाल	18	15

पिछले साल की तुलना में अधिक अंक मिले

आइआइटी सभी पैमानों पर खरा उतरा है। पिछली रैंकिंग की तुलना में अधिक अंक मिले। सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में स्थान बनाया।

प्रो. सुहास जोशी, डायरेक्टर, आइआइटी इंदौर

केवल दो बातों से सुधरती है रैंकिंग

टॉप 100 के लिए संस्थान को दो बातों पर ध्यान देना होता है। उनके यहां फैकल्टी पोजिशन और रिसर्च दोनों बेहतर होने चाहिए।

डॉ. सुनील गुप्ता, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल